छूकर पता लगाएँ

पॉल शॉवर्स

चित्र: रॉबर्ट गैलस्टर



छूकर पता लगाएँ





छूकर पता लगाएँ

पॉल शॉवर्स

चित्र: रॉबर्ट गैलस्टर



कालीन को छूएँ. कैसा लगा?





इस किताब के पन्ने को छूएँ. कैसा लगा?

खिड़की को छूएँ. कैसी लगी?





अपना चेहरा छूएँ. कैसा लगा?



कालीन खुरदरा है.



हालाँकि पन्ना चिकना है.



खिड़की ठंडी है.

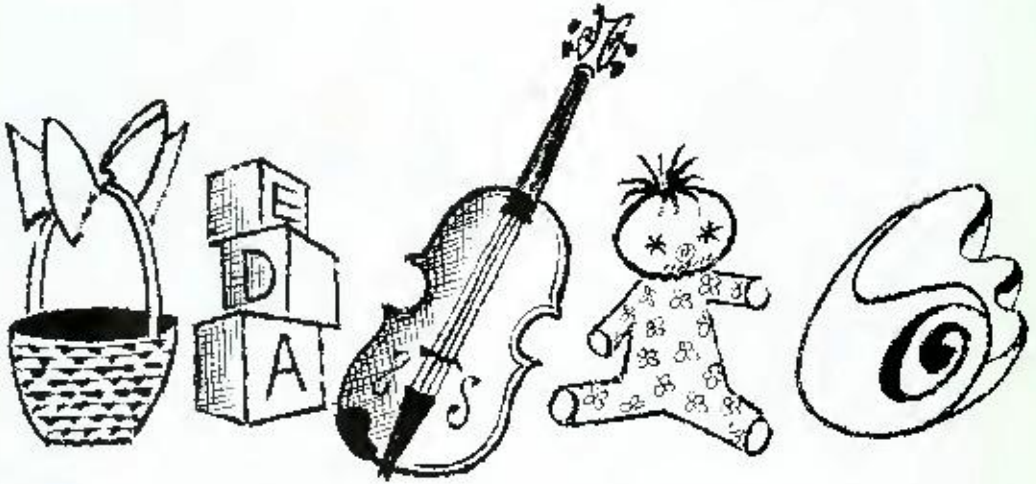


आपका चेहरा गर्म है.



हर चीज़ अलग-अलग

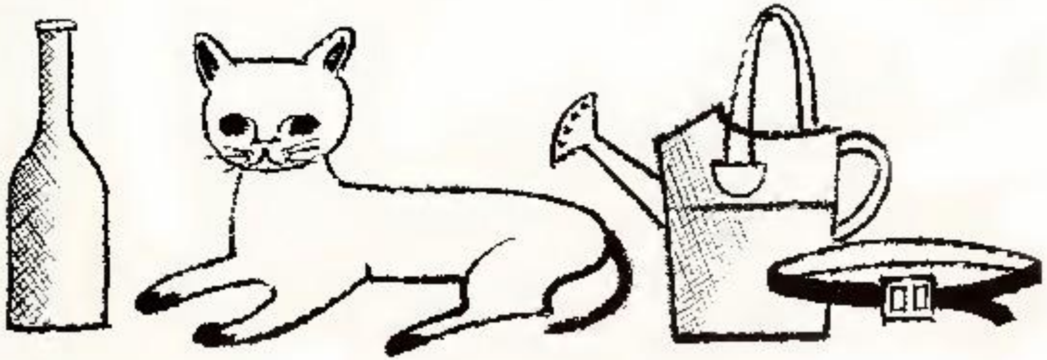
महसूस होती है.



आप जानते हैं कि वे अलग-अलग हैं, क्योंकि आपने उन्हें छुआ.

आप छूकर कई चीज़ें खोजते हैं. आपको हमेशा चीज़ों को देखने की ज़रूरत नहीं होती है.

आप छूकर उन्हें बता सकते हैं.



चलिए एक खेल खेलते हैं.

खेल दिखाएगा कि आप छूकर क्या खोज सकते हैं.

इस खेल को खेलने के लिए दो लोगों की ज़रूरत होगी.

आप अपने दोस्त के साथ यह खेल खेलें.

आप और आपका दोस्त बारी-बारी से इसे खेलेंगे.

इस खेल के लिए आपको एक बड़े डिब्बे की ज़रूरत होगी.

डिब्बे में अलग-अलग चीज़ें रखें.





डिब्बे में लकड़ी की बनी कुछ चीजें डालें.

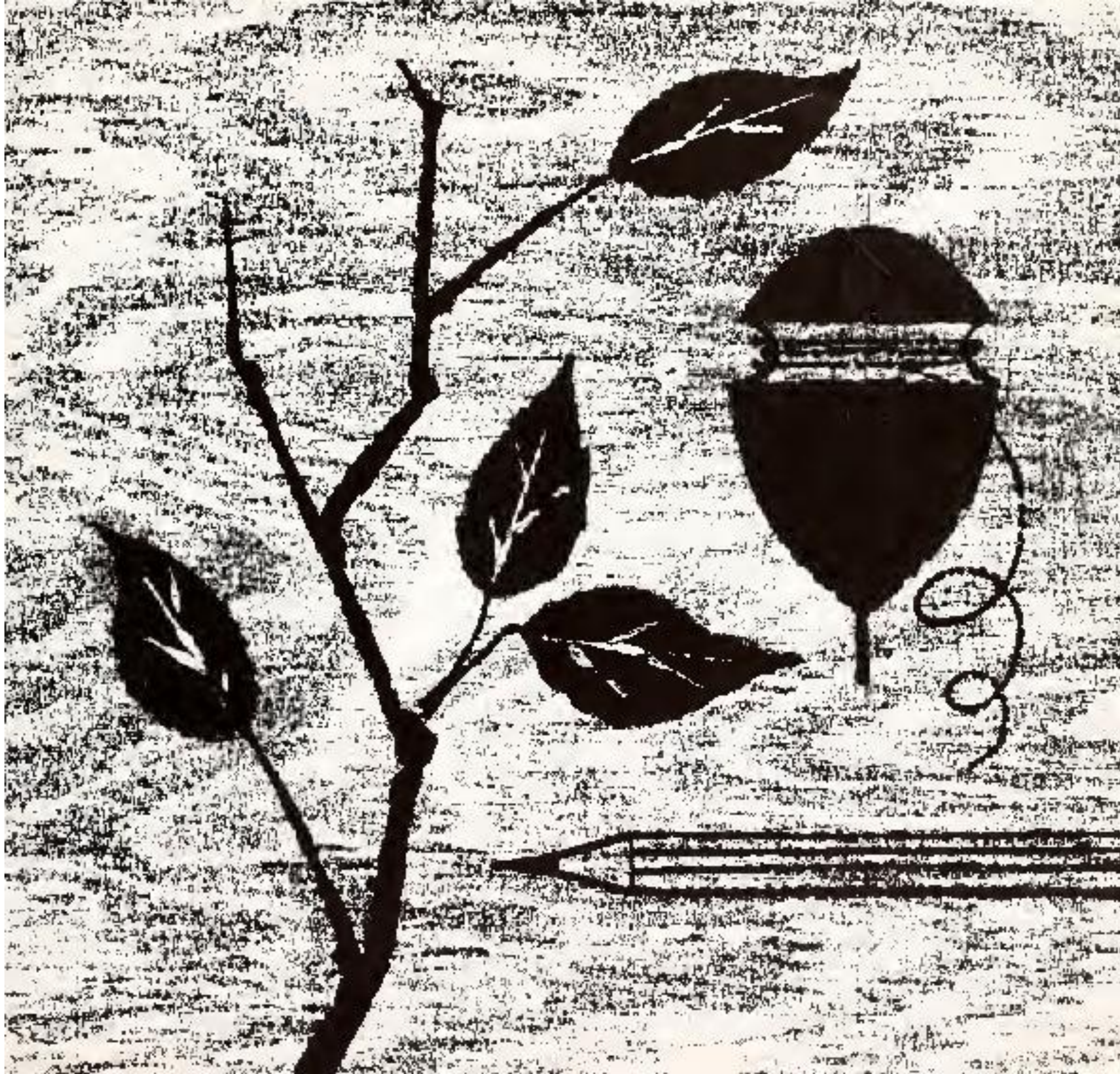
क्या आपके पास पेंसिल है? पेंसिल डालें.

क्या आपके पास लकड़ी का लट्टू है? लट्टू डालें.

क्या आपके पास झाड़ू की सींक है? सींक डालें.

अगर आपके पास पेंसिल, लट्टू या सींक नहीं है,

तो लकड़ी की बनी कुछ दूसरी चीजें डालें.



अब धातु की बनी कुछ चीजें डालें.

क्या आपके पास चाबी है? चाबी डालें.

क्या आपके पास कील है? कील डालें.

क्या आपके पास चम्मच है? चम्मच डालें.

अगर आपके पास चाबी, कील या चम्मच नहीं है,

तो धातु की बनी दूसरी चीजें डालें.



कपड़े से बनी कुछ चीजें डालें.

क्या आपको रुमाल मिल सकता है?

क्या आपके पास दुपट्टा है?

उन्हें डिब्बे में डालें.

अपनी माँ से कपड़े का एक टुकड़ा माँगें.

कोई पुराना मोजा भी चलेगा.

उसे भी डिब्बे में डालें.





उसके बाद कुछ अलग-अलग तरह की चीजें डालें:
एक प्लास्टिक की डिब्बी या प्लास्टिक का खिलौना,
पत्थर, चाक का टुकड़ा, पत्ता, रबर, अखरोट, ब्रश, गुब्बारा.
अगर आपके पास इनमें से कुछ भी न हो,
तो उनकी जगह आप दूसरी चीजें इस्तेमाल करें:
स्पंज, कंघी, या रुई का टुकड़ा.
डिब्बे में सभी तरह की चीजें डालें:
डोरी, कंचा, यहाँ तक कि आलू भी.
फिर आपका डिब्बा कई अलग-अलग चीजों से भरा होगा.
आप उन चीजों को आपस में मिलाएँ.



अब आप खेल खेलने के लिए तैयार हैं.

अगर आपकी बारी पहले है, तो अपनी आँखें बंद करें.

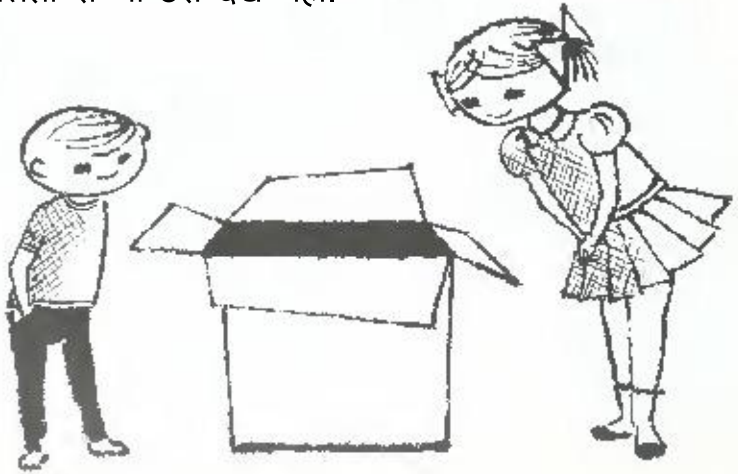
डिब्बे में अपना हाथ डालें और कुछ उठाएँ

उसे महसूस करें.

वो क्या है?

क्या आप बता सकते हैं?

गलती से भी उसे देखें नहीं.





वो किस चीज़ का बना है?

क्या वो लकड़ी का बना है?

क्या वो कपड़े का बना है?

क्या वो धातु का बना है?

वो छूने में कैसा लगता है?

क्या वो चिकना है?

क्या वो खुरदरा है?

क्या वो ठंडा है?

क्या वो गर्म है?

यह क्या है?

शायद हाथ से महसूस करने के बाद आप बता सकेंगे कि वो क्या है?

अपने दोस्त को बताएं कि वो आपको यह क्या लगता है.

झाँककर बिलकुल न देखें.

दोस्त आपको बताएगा कि आप सही थे या नहीं.



फिर आपके दोस्त की बारी होगी.

वह भी अपनी आँखें बंद रखेगा.

वह डिब्बे में हाथ डालेगा.

वह भी कुछ बाहर निकालेगा.

अपनी उँगलियों से वो उसे छूएगा.

उसकी उंगलियाँ उसे क्या बताएंगी?

क्या वो पत्थर है?

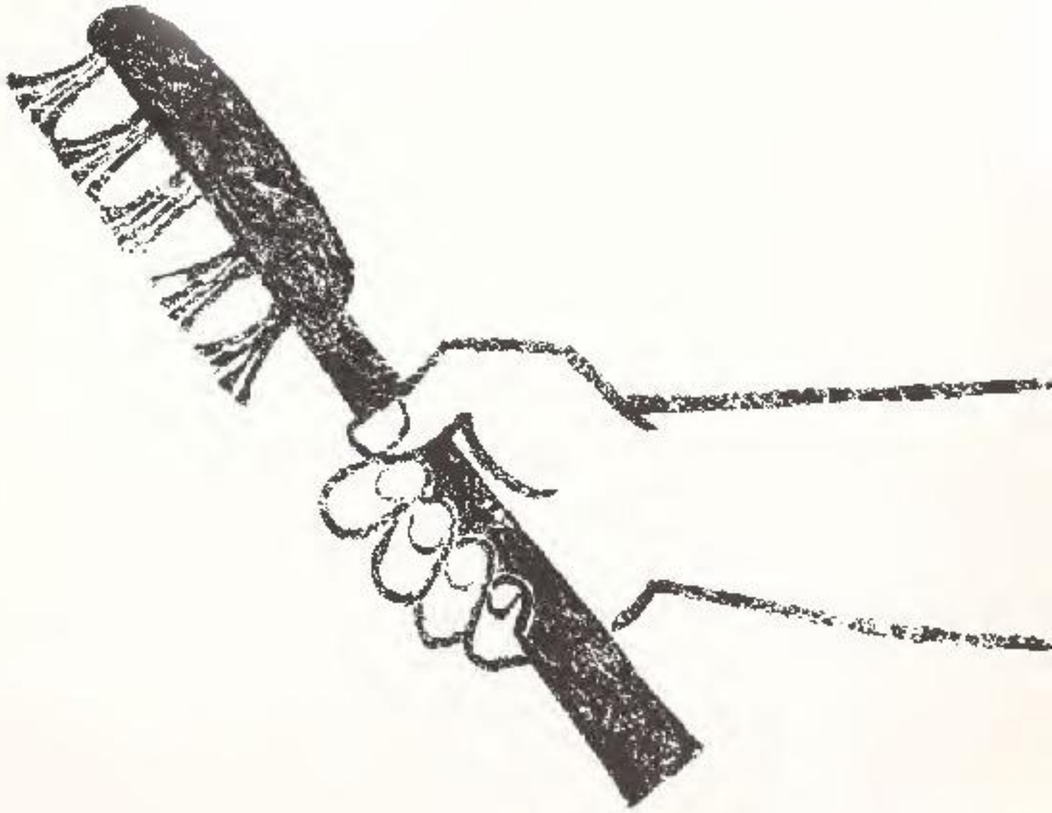
क्या वो ब्रश है?

क्या वो आलू है?

वो क्या है? वो छूने से कैसा लगता है?

आपके दोस्त को वो क्या लगता है?

आप उसे बताएँ कि वह सही है या गलत.





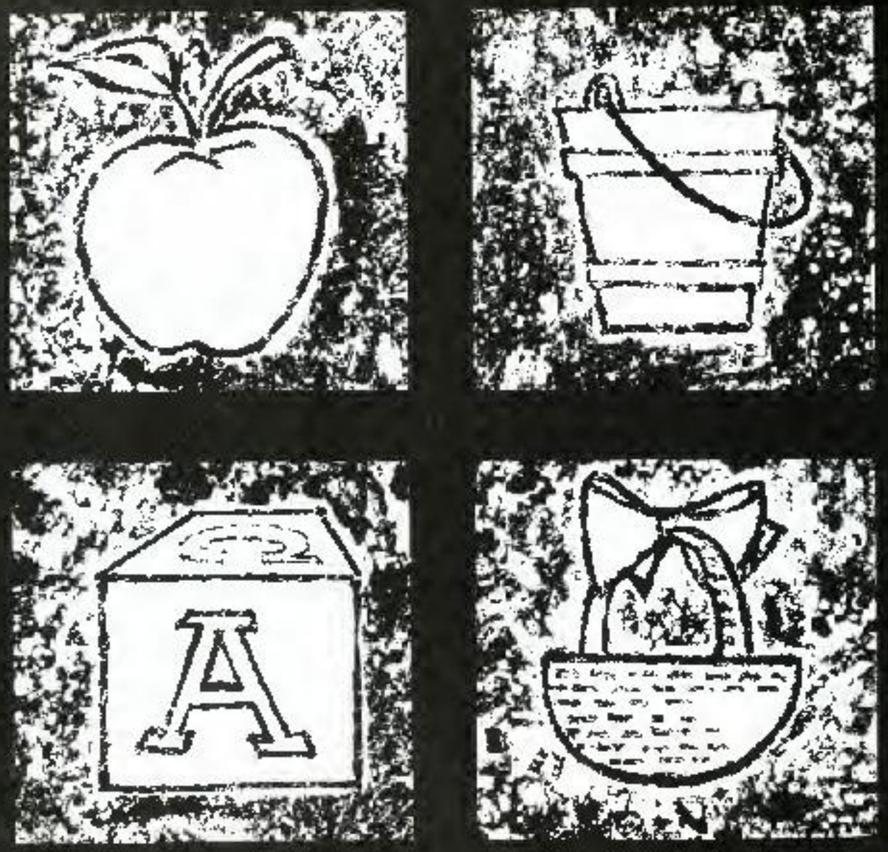
इस खेल को बारी-बारी से खेलें.

आप कितनी बार सही निकले?

आपका दोस्त कितनी बार सही निकला?

आप कितनी बार गलत निकले?

आपका दोस्त कितनी बार गलत निकला?



आप और आपका दोस्त ज़्यादातर बार सही होंगे.

आपकी उंगलियाँ आपको सही उत्तर बताएंगी.

आपकी उंगलियाँ बताएंगी कि वो चीज़ें सख्त है या नरम.

आपकी उंगलियाँ बताएंगी कि वो चीज़ें ठंडी है या गर्म, खुरदरी या चिकनी.

आपकी उंगलियाँ आपको बहुत सी बातें बताएंगी.

धातु का बर्तन चिकना, सख्त और ठंडा होगा.

आपकी उंगलियाँ आपको वो बताएंगी.

एक बिल्ली का बच्चा नरम, गर्म और रोएँदार होगा.

आपकी उंगलियाँ आपको वो भी बताएंगी.



यह जानने के लिए कि वो चीज़ क्या है

उसे आपको हमेशा देखने की ज़रूरत नहीं होगी.

आप उसे अपनी उंगलियाँ से महसूस करके जान पाएंगे कि वह क्या है.

आप चीज़ों को छूकर उनके बारे में जान सकते हैं.



आज आपकी उंगलियाँ बहुत सी अलग-अलग चीज़ों को छूएँगी.

आपकी उंगलियाँ आपको क्या-क्या बताएंगी?

